

Policy and Programme of the draft outline of the Fourth Five Year Plan.

“एनल्स ऑफ बायो-कैमिस्ट्री एण्ड एक्सपैरीमेंटल मेडिसिन” नामक पत्रिका कार्यालय

* 1406. डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री रवि राय :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि “एनल्स ऑफ बायो-कैमिस्ट्री एण्ड एक्सपैरीमेंटल मेडिसिन” नामक पत्रिका के कार्यालय को जो 1941 से कलकत्ता से प्रकाशित हो रही थी और हाल में प्रतिमास निकाली जा रही थी, दिल्ली ले जाया गया है और उसका नाम बदल कर उसे एक त्रैमासिक पत्रिका बना दिया गया है,

(ख) क्या यह भी सच है कि जब उक्त पत्रिका कलकत्ता से प्रकाशित हो रही थी तो उसका परिचालन अधिक था और उसके बदले में कई हजार रुपये के मूल्य के विदेशी पत्र-पत्रिकायें प्राप्त होते थे,

(ग) क्या अब उसका परिचालन काफी कम हो गया है;

(घ) क्या इस पत्रिका का कार्यालय दिल्ली लाते समय कोई आशवासन दिया गया था और यदि हां, तो उसे किस तरह पूरा किया गया है, और

(ङ) क्या इस पत्रिका के कार्यालय को वापस कलकत्ता ले जाने और इसका प्रबन्ध पुनः पुराने प्रबन्धकों को सौंपने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुणसेन) : (क) जी, हां। पत्रिका को इंडियन जनरल ऑफ बायो-कैमिस्ट्री नाम से त्रैमासिक रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

(ख) और (ग). नई पत्रिका के ग्राहकों और उसके बदले में आने वाली विदेशी पत्र-पत्रिकाओं की संख्या कम नहीं हुई है, बल्कि बढ़ी है।

(घ) यद्यपि इसके स्थानांतरण के समय पत्रिका को इसके मूल नाम में ही प्रकाशित करने का आशवासन दिया गया था फिर भी देश के जीव रसायनज्ञों की इच्छा को ध्यान में रखते हुए और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के शासी निकाय की स्वीकृति से पत्रिका का नाम बदल दिया गया था।

(ङ) जी नहीं।

Space Satellite Communication Centre

*1407. Shri M. L. Sondhi:
Shri T. P. Shah:
Shri O. P. Tyagi:
Shri Beni Shankar Sharma:
Shri Brij Bhushan Lal:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Bharat Singh Chauhan:
Shri Hardayal Devgun:

Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether Government have decided to import equipment worth Rs. 3 crores for building ground station near Poona communicating with space satellite to be launched over Indian Ocean in 1968;

(b) the time likely to be taken by Government in completing the construction work;

(c) the countries which will be served by proposed satellite; and

(d) to what extent the existing system of overseas communication will prove its usefulness, after the coming into operation of the proposed satellite?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) The question of import